आए हैं आए हैं दरबार भगत मां आए हैं

आए हैं दरबार
==========
आए हैं, आए हैं दरबार, भगत मां आए हैं ॥
लाए हैं, लाए हैं श्रद्धा के, हार माँ लाए हैं ॥
आए हैं, आए हैं दरबार,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

सच्ची तूँ, तेरा प्यार भी सच्चा ॥
जग से निराला, प्यार भी सच्चा ॥
*मिलकर तेरा, प्यार माँ पाने आए हैं ॥
आए हैं, आए हैं दरबार,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

ऊंचे पहाड़ों, में है डेरा ॥
बीच गुफा में, वास माँ तेरा ॥
*अपने सोए, भाग जगाने आए हैं ॥
आए हैं, आए हैं दरबार,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

नाम तेरा माँ, है सुखदाई ॥
करना कृपा, सब पर माई ॥
*मिल के जय जयकार, बुलाने आए हैं ॥
आए हैं, आए हैं दरबार,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

भक्तों को, वरदान तूँ देती ।L
बच्चों को सब, ज्ञान तूँ देती ॥
*हाथ जोड़ के, शुक्र मनाने आए हैं ॥
आए हैं आए हैं दरबार,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/31467/title/aaye-hai-aaye-han-darbar-bhakat-maa-aaye-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |